विषय–लेखाशास्त्र

कक्षा–12

भाग–1

अलाभकारी संस्थाएँ एंव साझेदारी खाते

- **साझेदारी लेखांकन** – आधारभूत अवधारणाएं– साझेदारी की प्रकृति, विशेषताएं, विलेख, साझेदारों के पूँजी खाते का अनुरक्षरण, लाभ विभाजन पूर्व समायोजन ,अन्तिम लेखे।
- **साझेदारी फर्म का पुर्नगठन** – साझेदारी की प्रवेश– साझेदारी फर्म के पुर्नगठन के प्रकार, साझेदार का प्रवेश, नया लाभ–विभाजन अनुपात, त्याग अुनपात, ख्याति–आशय, प्रभावित करने वाले घटक, ख्याति मूल्यांकन की आवश्यकता, विधियां, संचित लाभों एंव हानियों का समायोजन, परिसम्पत्तियों का पुनर्मूल्यांकन एवं दायित्वों का पुनर्निधारण, पूँजी का समायोजन, वर्तमान साझेदारों के लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन।
- **साझेदार की सेवानिवृत्ति/मृत्यु** – देय राशि का निर्धारण, नया लाभ विभाजन अनुपात, अधिलाभ अनुपात, ख्याति का व्यवहार, परिसम्पत्तियों तथा दायित्वों का पुनर्मूल्यांकन के लिए समायोजन, संचित लाभों तथा हानियों का समायोजन, सेवा निवृत्त साझेदार को देय राशि का निपटारा, साझेदारों की पूँजी का समायोजन, साझेदार की मृत्यु।
- **साझेदारी फर्म का विघटन** – साझेदारी का विघटन, फर्म का विघटन, खातों का निपटारा, लेखांकन व्यवहार।

भाग–2

कम्पनी खाते एवं वित्तीय विवरणों का विश्लेषण

- **कम्पनी की अंश पूँजी** – कम्पनी का आशय, विशेषताएं, प्रकार।
- **अंश पूँजी** – आशय एवं वर्गीकरण, अंशों का श्रेणियन एवं प्रकृति, अंशों का निर्गमन (लेखांकन व्यवहार), अंशों का हरण।
- **ऋणपत्रों का निर्गमन –**
  उपखण्ड–1– ऋणपत्रों का आशय, प्रकार, अंश व ऋणपत्र में अन्तर, ऋणपत्रों का निर्गमन, ऋणपत्रों पर ब्याज, बट्टे का अपलेखन।
- **कम्पनी को वित्तीय विवरण** – अर्थ, प्रकृति, उद्देश्य, प्रकार, उपयोगिता एवं महत्व, सीमाएं।
- **लेखांकन अनुपात** – अर्थ, अनुपात विश्लेषण के उद्देश्य, अनुपात विश्लेषण के लाभ, सीमाएं, अनुपातों के प्रकार।
- **रोकड़ प्रवाह विवरण** – उद्देश्य, लाभ, रोकड़ प्रवाह एवं गणना, रोकड़ प्रवाह विवरण का निर्माण।